Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 ◘ अंक- 220 ◘ रायपुर, बुधवार 3 सितम्बर 2025 ◘ पृष्ठ-8 ◘ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

छत्तीसगढ़ के कई कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी का छापा

रायपुर, 3 सितंबर (हाईवे चैनल)। बुधवार को सुबह-सुबह ईडी ने छत्तीसगढ़ के कई बड़े शहरों में एक साथ छापा मारा है। जिनमें रायपुर, भिलाई, बिलासपुर आदि शामिल हैं। हालांकि अभी तक यह सामने नहीं आया है कि इस छापेमारी की कार्रवाई किस मामले को लेकर की जा रही है। यह कार्रवाई मुख्य रूप से कृषि से संबंधित कारोबारियों के ठिकानों पर केंद्रित है। हालांकि छापे की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों की जांच से संबंधित बताई जा रही

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ईडी ने रायपुर के शंकर नगर स्थित एक बड़े कारोबारी के घर पर दबिश दी है। ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि जिन व्यापारियों के घर छापा पड़ा है, वे एग्रीकल्चर संबंधित व्यापारी हैं। रायपुर के इस व्यापारी के घर बुधवार सुबह ईडी के 8 से 10 अधिकारी पहुंचे है। उनके साथ सशस्त्र बल के जवान भी मौजूद हैं। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम ने लॉ विष्टा सोसाइटी स्थित एग्रीकल्चर उपकरण कारोबारी के बंगले पर दबिश दी है। इस दौरान ईडी के 8 से 10 अधिकारी बंगले के अंदर मौजूद हैं और तलाशी अभियान चला रहे हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों की जांच से संबंधित बताई जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि कृषि कारोबार के जरिए पैसों के लेन-देन में गड़बड़ी हुई है। सूत्रों का कहना है कि ईडी की टीम सुरक्षा घेरे में दस्तावेज और डिजिटल डेटा की पड़ताल कर रही है। सुबह से चल रही इस छापेमारी में बड़ी संख्या में कागजात और अन्य साक्ष्य मिलने की संभावना जताई जा रही है। राजधानी और अन्य शहरों में अचानक हुई इस कार्रवाई ने कारोबारी जगत में हलचल मचा दी है। फिलहाल ईडी की छापेमारी जारी है और आधिकारिक रूप से किसी भी तरह की जानकारी साझा नहीं की गई है। इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

अचानक डैम टूटने से मची तबाही, बह गए 2 घर, 2 लोगों की मौत, 4 लापता

बलरामपुर, 3 सितंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में मंगलवार रात को लगातार हो रही बारिश के कारण अचानक लुतिया डैम टूटने तबाही का मंजर देखने को मिला है. डैम के नीचे बसे दो घर बह गए. हादसे में 2 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि चार लोग अभी भी लापता है. वहीं कुछ लोग घायल बताए जा रहे हैं. इसकी सूचना मिलते ही कलेक्टर, एसपी समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे. तत्काल एनडीआरएफ और प्रशासन की टीम तैनात कर राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

जानकारी के मुताबिक, भारी बारिश के कारण करीब तातापानी चौकी क्षेत्र का 50 साल पुराना लुतिया बांध पानी से लबालब भर गया था. मंगलवार रात 10 बजे अचानक बांध टूट गया, जिससे तबाही मच गई. डैम टूटने से नीचे बसे दो मकान पूरी तरह बह गए और कई मवेशियों की मौत हो गई. कुछ मवेशियों के बह जाने की भी आशंका जताई जा रही है। कलेक्टर, एसपी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे. राहत और बचाव कार्य के लिए तुरंत टीम तैनात की गई. एनडीआरएफ और प्रशासन की संयुक्त टीम अब भी रेस्क्यू अभियान में जुटी हुई है।

ब्रेकिंग न्यूज

पाकिस्तान में आंतकी हमले के वीडियो आए सामने, अब तक 14 की मौत व 35 घायल

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (न्यूज चैनल)। पाकिस्तान के क्वेटा शहर में बलूचिस्तान नेशनल पार्टी द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक रैली के समाप्त होने के तुरंत बाद हुए आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 14 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। मीडिया में आयी खबरों में यह जानकारी दी गयी है। बताया गया है कि यह विस्फोट मंगलवार रात को सरदार अताउल्लाह मेंगल की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित रैली के समापन के बाद सरियाब क्षेत्र में शाहवानी स्टेडियम के पास हुआ। समाचार पत्र के अनुसार प्रांतीय स्वास्थ्य मंत्री बख्त मुहम्मद काकर ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की है। द डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह एक आत्मघाती हमला था। पुलिस के अनुसार, विस्फोट रैली समाप्त होने के लगभग 15 मिनट बाद हुआ। हमलावर ने पार्किंग क्षेत्र में विस्फोटकों से लदी अपनी जैकेट में कथित तौर पर उस समय विस्फोट कर दिया, जब लोग रैली में भाग लेने के बाद वहां से निकल रहे थे। डॉन के अनुसार, रैली का नेतृत्व कर रहे बीएनपी प्रमुख अख्तर मेंगल को कोई चोट नहीं आई, क्योंकि विस्फोट उस समय हुआ जब वह घर के लिए निकल रहे थे। इसमें कहा गया है कि पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद खान अचकजई, अवामी नेशनल पार्टी के असगर खान अचकजई और नेशनल पार्टी के पूर्व सीनेटर मीर कबीर मुहम्मद शाई भी रैली में मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई।

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, आवारा कुत्तों को लेकर प्रशासन में गंभीर चिंतन चल रहा है।

चुहिया- हां जी, आवारा इंसानों को खुली छूट है..!

गणेश विसर्जन से लौट रहे ग्रामीणों को बोलेरो ने रौंदा, 3 की मौत, दर्जनों घायल

जशपुर, 3 सितंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ है. गणेश विसर्जन से लौट बड़ी संख्या में लौट रहे ग्रामीणों को तेज रफ्तार बोलेरो ने रौंद दिया. मौके पर चीख-पुकार मच गई. इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई. वहीं दर्जनों लोग घायल हो गए हैं. घटना बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम जुरूडांड़ की है.

जानकारी के मुताबिक, ग्राम जुरूडांड़ में लोग गणेश प्रतिमा को नाचते-गाते विसर्जित करने गए थे, लेकिन लौटने के दौरान पर्व की खुशियां मातम में बदल गई. तेज रफ्तार बोलेरो (सीजी15 सीआर1439) ने वापस घर लौट रहे ग्रामीणों को रौंद दिया. हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार होने की कोशिश करने लगा, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी. इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई. वहीं 24 से अधिक लोग घायल हो गए, कुछ लोगों को गंभीर चोटें आई है. घायलों को बगीचा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है. वहीं कुछ को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है. फिलहाल सभी का इलाज जारी है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने करेंगुट्टालु पहाड़ी पर 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को अंजाम देने वाले जवानों को किया सम्मानित

रायपुर, 3 सितंबर (हाईवे चैनल)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने करेंगुट्टालु पहाड़ी पर 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ पुलिस, डीआरजी और कोबरा के जवानों से नई दिल्ली में भेंट की और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने करेंगुट्टालु पहाड़ी पर चले अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' में वीर जवानों द्वारा शौर्यपूर्ण प्रदर्शन कर अभियान को सफल बनाने के लिए सभी सुरक्षाबलों के जवानों को हृदय से बधाई दी। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध अभियान के इतिहास में 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के दौरान जवानों का शौर्य और पराक्रम एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक सभी नक्सली या तो आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएँ या समाप्त न हो जाएँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम भारत को नक्सलमुक्त बनाकर ही रहेंगे।

■ मोदी सरकार का संकल्प है, 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त कर देंगे

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गर्मी, ऊँचाई और हर कदम पर आईईडी के खतरों के बावजूद सुरक्षाबलों ने बुलंद हौसले के साथ अभियान को सफल बनाकर नक्सलियों का बेस कैंप समाप्त किया। उन्होंने कहा कि करेंगुट्टालु पहाड़ी पर बने नक्सलियों के मैटीरियल डंप और सप्लाई चेन को छत्तीसगढ़ पुलिस, सीआरपीएफ, डीआरजी और कोबरा के जवानों ने पराक्रम से नष्ट कर दिया।

अमित शाह ने कहा कि नक्सलियों ने देश के सबसे कम विकसित क्षेत्रों को बहुत नुकसान पहुँचाया है, स्कूल और अस्पताल बंद कर दिए और सरकारी योजनाओं को स्थानीय लोगों तक नहीं पहुँचने दिया। उन्होंने कहा कि नक्सलविरोधी अभियानों के कारण पशुपतिनाथ से लेकर तिरुपति तक के क्षेत्र में साढ़े 6 करोड़ लोगों के जीवन में नया सूर्योदय हुआ है। शाह ने कहा कि नक्सलविरोधी अभियानों में गंभीर शारीरिक क्षति उठाने वाले सुरक्षाबलों के जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए मोदी सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का संकल्प है कि हम 31 मार्च, 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त कर देंगे।

चीन ने सैन्य शक्ति प्रदर्शन कर दुनिया को चौंकाया

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (न्यूज चैनल)। चीन ने बुधवार को अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करते हुए जेट लड़ाकू विमान, मिसाइल और नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक युद्ध हार्डवेयर सहित अपने कुछ आधुनिक हथियारों को पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और ईरान, मलेशिया, म्यांमा, मंगोलिया, इंडोनेशिया, जिम्बाब्वे और मध्य एशियाई देशों के नेताओं सहित 26 विदेशी नेताओं ने इसमें भाग लिया। भारत के पड़ोसी देशों से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू परेड में भाग ले रहे हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन ने विदेशी मेहमानों का स्वागत किया। द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी आक्रमण के खिलाफ चीन की जीत की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित इस परेड में सैकड़ों सैनिकों ने भाग लिया। किम अपनी बेटी किम जू ए के साथ मंगलवार रात को ट्रेन से बीजिंग पहुंचे। यह 2019 के बाद से उनकी दूसरी चीन यात्रा है और किम के पुतिन से करीबी संबंध स्थापित करने के प्रयासों के बीच उत्तर कोरिया और चीन के बीच दरार की अफवाहों के बाद यह पहली यात्रा है। बीजिंग में शी, पुतिन और किम की एक साथ उपस्थिति, विशेष रूप से एक सैन्य परेड में, चीन द्वारा अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक कड़ा संदेश भेजने के प्रयास के रूप में देखी जा रही है।

दो वोटर आईडी और एक नेता! पवन खेड़ा को चुनाव आयोग का नोटिस, भाजपा-कांग्रेस में तकरार तेज

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (न्यूज चैनल)। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता पवन खेड़ा एक नए विवाद में घिरते नजर आ रहे हैं। आरोप है कि उन्होंने दो अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाया है, यानी उनके पास दो वोटर आईडी नंबर हैं। इस मामले को लेकर अब चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दिल्ली के जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि पवन खेड़ा को एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकरण करने के मामले में अपना पक्ष रखना होगा। इसके लिए उन्हें 8 सितंबर सुबह 11 बजे तक का समय दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ से खेड़ा को भेजे गए नोटिस में कहा गया मेरे संज्ञान में लाया गया है कि आपने एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। यह कार्य जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा के तहत दंडनीय अपराध है। अतः आपको कारण बताना होगा कि आपके विरुद्ध कार्रवाई क्यों न की जाए।

इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई जब भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर पवन खेड़ा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पवन खेड़ा ने दो विधानसभा क्षेत्रों में वोटर आईडी बनवा रखी है।

सिर्फ 6 तीव्रता का भूकंप और 1400 से भी अधिक मौत, अफगानिस्तान में आखिर इतनी तबाही कैसे?

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (न्यूज चैनल)। रविवार रात अफगानिस्तान में आया 6.0 तीव्रता का भूकंप एक बार फिर कई सवालों के घेरे में है। 6 तीव्रता कोई बहुत बड़ा आंकड़ा नहीं है दुनिया के कई हिस्सों में इतने तीव्र झटकों से ज्यादा नुकसान नहीं होता। लेकिन अफगानिस्तान में इस भूकंप से 1400 से अधिक लोग मारे गए और 2500 से अधिक घायल हो गए। तो आखिर ऐसा क्या है अफगानिस्तान की धरती में जो मामूली तीव्रता का भूकंप भी तबाही बन जाता है? जवाब है फॉल्ट लाइन, यानी धरती की वो दरारें जो खामोश होकर भी भीतर ही भीतर खतरे को पालती हैं।

फॉल्ट लाइन को समझने के लिए पहले जानिए कि भूकंप क्यों आते हैं। धरती की बाहरी परत टेक्टोनिक प्लेट्स से बनी होती है, जो लगातार सरकती रहती हैं। जब ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं, खिंचती हैं या एक-दूसरे के ऊपर चढ़ने लगती हैं तो उनके बीच भारी दबाव और ऊर्जा बनती है। जब यह ऊर्जा एक झटके में बाहर निकलती है, तो भूकंप आता है। अब फॉल्ट लाइन की बात करें तो यह वही स्थान होता है जहां दो प्लेट्स की सीमा मिलती है। यानी जहां दो टेक्टोनिक प्लेटें आपस में रगड़ खा रही होती हैं। अफगानिस्तान की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि यह इलाका एक बेहद सक्रिय और खतरनाक फॉल्ट लाइन पर स्थित है भारत और यूरेशिया प्लेट की टकराहट का इलाका।

अब सवाल उठता है कि जब भूकंप की तीव्रता केवल 6.0 थी तो फिर 1400 से अधिक लोगों की मौत कैसे हो गई? इसका जवाब केवल भूगर्भीय गतिविधियों में नहीं बल्कि अफगानिस्तान की स्थानीय सामाजिक और भौगोलिक परिस्थितियों में भी छिपा है।

शहर ब्लॉक कांग्रेस 1-2 के अध्यक्ष बनने 4 दावेदारों के नाम भेजे गए प्रदेश कार्यालय

धमतरी, 3 सितम्बर (हाईवे चैनल)। कांग्रेस मे संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत संगठन में बदलाव का दौर शुरु हो रहा है। जिसके तहत शहर ब्लाक कांग्रेस 1 व 2 के अध्यक्षो की नियुक्ति होनी है। जिसके लिए प्रक्रिया जारी है।

कुछ दिन पूर्व पर्यवेक्षको की उपस्थिति में ब्लाक अध्यक्ष चयन हेतु कार्यकर्ताओं व वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई जिसमें दावेदार भी शामिल रहे। शहर ब्लाक 1 कांग्रेस अध्यक्ष के लिए प्रमुखता से दो नेताओं ने दावेदारी की है। जिसमें वर्तमान अध्यक्ष आकाश गोलछा व राहुल बख्तानी शामिल है। वहीं शहर ब्लाक 2 कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए वर्तमान अध्यक्ष योगेश शर्मा व सुमीत जैन ने दावेदारी की है। बता दे कि वर्तमान दोनो ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षो का कार्यकाल काफी सफल व सक्रिय माना जा रहा है। दोनो अध्यक्षो ने वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन व आशीर्वाद से कार्यकर्ताओं के सहयोग से पार्टी आला कमान द्वारा प्राप्त निर्देशो का पालन किया। वर्तमान में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने में जुटे हुए है। उक्त ब्लाक अध्यक्षो के कार्यकाल में कांग्रेस ने कई प्रभावी आयोजन कराए है जिससे जनता के बीच कांग्रेस और मजबूत हुई है। ऐसे में चर्चा है कि दोनो अध्यक्षो को रिपीट भी किया जा सकता है।

■ ब्लॉक क्र- 1 के लिए आकाश गोलछा, राहुल बख्तानी, ब्लाक क्रमांक 2 के लिए योगेश शर्मा व सुमीत जैन है दावेदार

■ पुराने अध्यक्षो को किया जाएगा रिपीट या नये चेहरो को मिलेगा मौका?

वहीं ब्लाक 1 के लिए राहुल बख्तानी व ब्लाक 2 के लिए सुमीत जैन दावेदार है दोनो युवा नेता है सालों से कांग्रेस में सक्रिय है। समय-समय पर सरकार के नीतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज बुलंद करते रहे है। पार्टी के आयोजनो में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहे है। पार्टी को मजबूती प्रदान करने में सालों से जुटे हुए है। ऐसे में यदि इन युवा नेताओं पर पार्टी भरोसा जताती है तो वे भी उम्मीदों पर खरा उतर सकते है।

चर्चा है कि कांग्रेस में कई गुट है जिससे गुटबाजी समय-समय पर सामने आती रहती है। वर्तमान में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए भी गुटबाजी की चर्चा हो रही है। एक ओर संगठन के दावेदार है वहीं दूसरी ओर एक वरिष्ठ नेता के गुट के दावेदार है। अब यह तो समय ही बतायेगा कि ब्लाक अध्यक्ष चयन में किसकी चलती है।